साप्ताहिक
सहबंधी समाचार
सहबंधी
RNI-MPHIN/25/A1542
आज की बड़ी खबर—मेहनत जारी है, कल की सुर्खियों में हमारी बारी है।
वर्ष - 02 अंक - 47 | भोपाल, मंगलवार, 22 सितंबर 2026 | पृष्ठ - 8 मूल्य 1 रुपया

किसानों से लेकर व्यापार जगत तक—भरोसे की पहचान बना सहबन्धी समाचार

सहबन्धी समाचार को आज अपने सफर का एक वर्ष पूरा हो गया है। यह एक वर्ष केवल समय बीतने की कहानी नहीं, बल्कि विश्वास, निरंतर प्रयास और समाज से जुड़े रहने की यात्रा है। किसानों की आवाज को मंच देने से लेकर व्यापार, व्यवसाय और स्थानीय गतिविधियों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों को लोगों तक पहुंचाने में सहबन्धी समाचार लगातार अपनी भूमिका निभा रहा है। हमारा प्रयास है कि समाज के हर वर्ग तक उपयोगी, महत्वपूर्ण और जनहित से जुड़ी खबरें पहुंचें। किसान और व्यवसायी—दोनों के लिए एक मजबूत मंच आज किसान को खेती के साथ बाजार, नई संभावनाओं और व्यवसाय से जुड़ी जानकारी की आवश्यकता है। वहीं व्यापारियों और व्यवसायियों को अपनी पहचान और अपने कार्य को लोगों तक पहुंचाने के लिए एक विश्वसनीय मंच की जरूरत है। सहबन्धी समाचार इसी जुड़ाव को मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।अब आपकी बारी—सहबन्धी से जुड़िएसहबन्धी समाचार और सहबन्धी संगठन से जुड़कर आप अपने विचार, अपने कार्य, अपने व्यवसाय और अपनी प्रतिभा को व्यापक मंच तक पहुंचा सकते हैं। संगठन से जुड़ाव आपके लिए नए संपर्क, नई जानकारी और आगे बढ़ने के अवसरों का माध्यम बन सकता है।आइए, केवल समाचार पढ़ने तक सीमित न रहें—समाचार से जुड़ें, संगठन से जुड़ें और अपने जीवन को नई दिशा देने के प्रयास का हिस्सा बनें।एक वर्ष का विश्वास… अब नई शुरुआत!सहबन्धी समाचार आपकी आवाज • आपका मंच • आपका सहबन्धसहबन्धी समाचार एवं सहबन्धी संगठन से जुड़िए।मिलकर आगे बढ़िए, मिलकर नई संभावनाएं तलाशिए।

साथ हमारा, विश्वास आपका, सहबन्धी संगठन—विकास सबका। किसान से व्यापार तक बढ़े कदम, मिलकर बनाएंगे बेहतर कल हम।

सहबन्धी संगठन लेकर आया शिवशक्ति मसाला ओरिजिनल मसाले का स्वाद, हर रसोई की नई पहचान

स्वाद वही, जो खाने को यादगार बना दे और खुशबू वही, जो रसोई से पूरे घर तक पहुंच जाए। इसी सोच के साथ सहबन्धी मसाला के अंतर्गत शिवशक्ति मसाला को आपके अपने मसाले के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। शिवशक्ति मसाला का उद्देश्य है कि हर घर की रसोई में मसालों का बेहतर स्वाद और सुगंध पहुंचे। दाल हो, सब्जी हो, पुलाव हो या कोई खास व्यंजन—सही मसाला भोजन के स्वाद को और खास बना देता है। शिवशक्ति मसाला उन परिवारों के लिए एक नया विकल्प है, जो अपने रोजमर्रा के भोजन में मसालों के स्वाद और खुशबू को महत्व देते हैं। सहबन्धी मसाला के माध्यम से इस उत्पाद को लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि घर-घर तक अपने स्वाद का यह मसाला पहुंच सके।आपका अपना मसाला, आपके अपने स्वाद के लिए शिवशक्ति मसाला केवल एक नाम नहीं, बल्कि अपनेपन के साथ रसोई तक पहुंचने का प्रयास है। इसकी पहचान स्वाद, सुगंध और भरोसे से बनाने का संकल्प है। शिवशक्ति मसाला "सेहत भी, टेस्ट भी—आपका अपना मसाला!"आज ही अपनी रसोई में शिवशक्ति मसाला को जगह दें और भोजन के स्वाद को बनाएं और भी खास।सहबन्धी मसाला — अपने स्वाद से, अपने लोगों के साथ।शिवशक्ति मसाला — स्वाद भी अपना, भरोसा भी अपना! आज के समय में मसाले हर घर की रोजमर्रा की जरूरत हैं। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए सहबन्धी संगठन द्वारा विभिन्न मसाला उत्पाद बाजार में उपलब्ध कराए जा रहे हैं। संगठन का कहना है कि मसालों की पैकिंग और बिक्री को व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाने के लिए इच्छुक लोगों को साथ जोड़ा जाएगा। व्यवसाय शुरू करने वालों के लिए नया अवसर यदि आप अपना छोटा व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं या अतिरिक्त आय का अवसर तलाश रहे हैं, तो सहबन्धी संगठन के साथ मसाला व्यवसाय से जुड़ सकते हैं। संगठन की ओर से मसालों की पैकिंग तैयार करके उपलब्ध कराने और बिक्री के लिए सहयोग देने की व्यवस्था की जा रही है। आप अपने क्षेत्र में मसालों की बिक्री कर सकते हैं और ग्राहकों तक उत्पाद पहुंचाने का काम कर सकते हैं। आपकी कमाई बिक्री, लागत और अन्य व्यावसायिक परिस्थितियों पर निर्भर करेगी मसाला आपका व्यवसाय, सहयोग सहबन्धी संगठन कागरम मसाला | किचन किंग मसाला | चाट मसाला सहबन्धी संगठन के साथ जुड़कर अपने क्षेत्र में इस व्यवसाय को आगे बढ़ाने का प्रयास करें। महिलाएं, युवा, छोटे व्यापारी और स्वरोजगार शुरू करने के इच्छुक लोग इस अवसर की जानकारी लेकर अपनी आवश्यकता और क्षमता के अनुसार जुड़ सकते हैं

सहबन्धी संगठन का कपड़ा कारोबार में प्रवेश अपनी दुकान से होगी थोक बिक्री,अन्य दुकानों तक माल पहुंचाने की योजना

भोपाल। सहबन्धी संगठन ने कपड़ा कारोबार में कदम रखते हुए अपनी स्वयं की दुकान के माध्यम से थोक बिक्री शुरू करने की पहल की है। संगठन की योजना कपड़ों को थोक में खरीदने वाले स्थानीय दुकानदारों और व्यापारियों तक माल पहुंचाने की है। संगठन की ओर से अपनी दुकान के माध्यम से कपड़ों की थोक बिक्री की जाएगी। इसके लिए क्षेत्र की अन्य कपड़ा दुकानों से सीधे कारोबारी संपर्क स्थापित करने पर जोर दिया जा रहा है। दुकानदार अपनी जरूरत के अनुसार संगठन की दुकान से थोक में कपड़े खरीद सकेंगे और आगे ग्राहकों को बिक्री कर सकेंगे। थोक आपूर्ति पर फोकस सहबन्धी संगठन का यह कारोबार फिलहाल थोक बिक्री पर केंद्रित रहेगा। संगठन द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले कपड़ों को स्थानीय बाजार की जरूरत के अनुसार अन्य दुकानों तक पहुंचाने की योजना है। इससे कपड़ा व्यापारियों को थोक खरीद के लिए एक अतिरिक्त स्रोत उपलब्ध होगा। संगठन का कहना है कि कारोबार को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। बाजार की मांग और व्यापारियों की जरूरत के अनुसार भविष्य में कपड़ों की श्रेणी और कारोबार का दायरा बढ़ाने पर विचार किया जाएगा। व्यापार विस्तार की दिशा में नई पहल कपड़ा कारोबार की शुरुआत को सहबन्धी संगठन के व्यापारिक विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। संगठन का प्रयास विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार से जुड़े लोगों के साथ प्रत्यक्ष व्यापारिक संबंध विकसित करना है। सहबन्धी संगठन की यह पहल स्थानीय कपड़ा कारोबारियों को थोक खरीद के लिए एक नए कारोबारी विकल्प से जोड़ने की दिशा में है।

किसानों की खेती को नई दिशा देगा सहबन्धि संगठन, फसल से लेकर खाद तक मिलेगी जरूरी जानकारी

भोपाल। किसानों को खेती में सही समय पर सही निर्णय लेने में मदद करने के उद्देश्य से सहबन्धि संगठन ने कृषि क्षेत्र में भी अपना कदम बढ़ाने की पहल शुरू की है। संगठन की योजना किसानों को यह जानकारी उपलब्ध कराने की है कि किस मौसम में कौन-सी फसल बोना उपयुक्त रहेगा, बुवाई की तैयारी कैसे की जाए और फसल की जरूरत के अनुसार खाद एवं उर्वरक का उपयोग किस प्रकार किया जाए। संगठन के माध्यम से किसानों को फसल चयन, बुवाई का समय, बीज उपचार, खेत की तैयारी, खाद-उर्वरक प्रबंधन, सिंचाई तथा फसल की देखभाल से जुड़ी उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराने पर जोर रहेगा। इसका उद्देश्य किसानों को खेती से जुड़े निर्णयों में वैज्ञानिक कृषि सलाह तक पहुंच बनाने में सहयोग देना है। मध्यप्रदेश के किसान खरीफ और रबी दोनों मौसम में अलग-अलग फसलों की खेती करते हैं। कृषि विभाग की ई-विकास प्रणाली में भी भूमि और फसल की आवश्यकता के अनुसार उर्वरक वितरण तथा फसलवार पोषक तत्वों की अनुशंसित मात्रा निर्धारित करने की व्यवस्था है। सहबन्धि संगठन की इस पहल में किसानों को यह समझाने पर भी जोर दिया जाएगा कि सिर्फ अधिक खाद डालना ही बेहतर उत्पादन की गारंटी नहीं है, बल्कि मिट्टी, फसल और उसकी जरूरत के अनुसार संतुलित पोषण प्रबंधन जरूरी है। सोयाबीन जैसी फसलों में बुवाई से पहले खेत की तैयारी, प्रमाणित बीज और बीजोपचार को भी महत्वपूर्ण माना जाता है। खेत से बाजार तक किसानों के साथ खड़ा होने की पहल संगठन का प्रयास केवल खेती की जानकारी तक सीमित न रहकर किसानों को उत्पादन, स्वावलंबन और बेहतर आय के अवसरों से जोड़ने की दिशा में आगे बढ़ने का है। इसके तहत स्थानीय किसानों की जरूरतों के अनुसार समय-समय पर कृषि विशेषज्ञों और कृषि विभाग की प्रमाणित सलाह को किसानों तक पहुंचाने की योजना बनाई जा सकती है।

सहबन्धी संगठन के व्यापार की नई शुरुआत, आप भी बनें इस सफर का हिस्सा

सहबन्धी संगठन के व्यापार की शुरुआत हो चुकी है। यह केवल व्यापार शुरू करने की पहल नहीं, बल्कि आपसी सहयोग, विश्वास और सहभागिता के साथ आगे बढ़ने का एक नया प्रयास है। हमारा उद्देश्य है कि छोटे-छोटे प्रयासों को एक साथ जोड़कर रोजगार, व्यापार और आर्थिक विकास के नए अवसर तैयार किए जाएं। आज जरूरत है कि हम सभी एक-दूसरे का साथ दें और मिलकर आगे बढ़ें। सहबन्धी संगठन इसी सोच के साथ लोगों को एक मंच पर जोड़ने का प्रयास कर रहा है, जहां मेहनत, हुनर और व्यापार को नई दिशा मिल सके। अगर हम साथ मिलकर आगे बढ़ेंगे तो हमारे प्रयासों की ताकत कई गुना बढ़ सकती है। इसलिए आइए, इस नई शुरुआत का हिस्सा बनिए, संगठन से जुड़िए और अपने साथ-साथ अपने परिवार, समाज और आने वाले कल को बेहतर बनाने की दिशा में कदम बढ़ाइए। आज का जुड़ाव, कल की मजबूत पहचान बनेगा। साथ चलेंगे, साथ बढ़ेंगे और मिलकर बेहतर भविष्य बनाएंगे। आप भी सहबन्धी संगठन से जुड़िए और इस नई व्यापारिक यात्रा में हमारे साथ कदम से कदम मिलाइए।

अरब सागर में भारतीय युद्धपोत से टकराया पाकिस्तानी नौसेना का जहाज

नई दिल्ली में पाकिस्तानी राजनयिक तलब, भारत ने जताया कड़ा विरोध; 2011 में भी दोनों देशों के नौसैनिक जहाज आमने-सामने आए थे

नई दिल्ली। उत्तर अरब सागर में भारत और पाकिस्तान की नौसेनाओं के बीच मंगलवार, 15 सितंबर को एक समुद्री घटना सामने आई। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में पाकिस्तानी नौसेना के जहाज PNS हूनैन की भारतीय नौसेना के एक युद्धपोत से टक्कर हुई। भारत ने घटना को गंभीरता से लेते हुए बुधवार को नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान के प्रभारी राजनयिक को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया। रिपोर्टों के अनुसार, भारतीय नौसेना का जहाज नियमित निगरानी मिशन पर था। भारतीय पक्ष का कहना है कि पाकिस्तानी जहाज तेज गति से आगे बढ़ा और असुरक्षित तरीके से दिशा बदलने के कारण टक्कर की स्थिति बनी। भारतीय युद्धपोत को कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ और वह अपना मिशन जारी रखने में सक्षम रहा , जबकि पाकिस्तानी जहाज को नुकसान पहुंचने की खबर है। किसी बड़ी जनहानि की सूचना नहीं है। भारत के विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तानी नौसैनिक इकाइयों के आचरण को "अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर" बताया है। नई दिल्ली ने पाकिस्तान से अपने सैन्य बलों को समुद्र में उचित सावधानी बरतने तथा दोनों देशों के बीच लागू समझौतों का पालन सुनिश्चित करने को कहा है। इस मामले में इस्लामाबाद स्थित भारतीय राजनयिक को भी पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के समक्ष विरोध दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। 2011 में भी हुआ था विवाद भारत और पाकिस्तान के नौसैनिक जहाजों के बीच ऐसा विवाद करीब 15 वर्ष पहले भी सामने आया था। जून 2011 में पाकिस्तानी नौसेना के PNS बाबर और भारतीय नौसेना के INS गोदावरी के बीच अदन की खाड़ी में समुद्री गतिविधियों को लेकर विवाद हुआ था। भारतीय पक्ष के अनुसार PNS बाबर ने तेज गति से INS गोदावरी के करीब पहुंचकर खतरनाक तरीके से युद्धाभ्यास किया था। उस घटना के बाद दोनों देशों के बीच राजनयिक स्तर पर विरोध दर्ज कराया गया था। ताजा घटना ने एक बार फिर दोनों देशों की नौसैनिक गतिविधियों और समुद्री सुरक्षा को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। हालांकि, अभी तक उपलब्ध आधिकारिक जानकारी के अनुसार घटना में कोई बड़ी जनहानि या गंभीर क्षति सामने नहीं आई है।

किताब पढ़िए, कमाइए पैसे: सिंगापुर की अनोखी पहल रोजाना 15 मिनट पढ़ने की शर्त, स्मार्टफोन और रील्स के दौर में किताबों से जोड़ने की कोशिश

सिंगापुर। स्मार्टफोन और शॉर्ट वीडियो के बढ़ते चलन के बीच लोगों में किताब पढ़ने की आदत को बढ़ावा देने के लिए सिंगापुर ने अनोखी पहल शुरू की है। सरकार की इस पहल के तहत लोगों को रोजाना कम से कम 15 मिनट किताब पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। पढ़ने की इस आदत को बढ़ावा देने के साथ प्रतिभागियों के लिए रिवॉर्ड की व्यवस्था भी की गई है। राष्ट्रीय पुस्तकालय बोर्ड की ReadSG पहल का उद्देश्य लोगों को नियमित रूप से पढ़ने के लिए प्रेरित करना है। इसके तहत निर्धारित समय तक पढ़ने वाले प्रतिभागियों को वर्चुअल कॉइन दिए जाते हैं, जिन्हें आगे चलकर रिवॉर्ड में बदला जा सकता है। इस व्यवस्था के जरिए पढ़ने को केवल ज्ञान अर्जित करने की गतिविधि न बनाकर एक नियमित और प्रोत्साहन वाली आदत बनाने की कोशिश की गई है। रील्स के दौर में किताबों की ओर लौटने का संदेश आज मोबाइल फोन पर कुछ सेकंड के वीडियो देखने की आदत तेजी से बढ़ी है। ऐसे में सिंगापुर की यह पहल लोगों को लंबे समय तक एकाग्र होकर पढ़ने के लिए प्रेरित करने की कोशिश के तौर पर देखी जा रही है। पहल में रोजाना सिर्फ 15 मिनट पढ़ने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि लोग व्यस्त दिनचर्या के बीच भी पढ़ने के लिए समय निकाल सकें। अभियान के जरिए बच्चों, युवाओं और वयस्कों समेत अलग-अलग आयु वर्ग के लोगों को पढ़ने से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। नियमित पढ़ने से ज्ञान बढ़ाने के साथ एकाग्रता, कल्पनाशक्ति और सोचने-समझने की क्षमता विकसित करने पर भी जोर दिया गया है। सिंगापुर की यह पहल ऐसे समय में सामने आई है, जब दुनिया भर में डिजिटल स्क्रीन और छोटे वीडियो लोगों के खाली समय का बड़ा हिस्सा ले रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि मोबाइल स्क्रीन के बीच किताब के लिए भी रोजाना कुछ समय तय हो। हालांकि इसका आधिकारिक उद्देश्य सीधे तौर पर रील्स की लत छुड़ाना नहीं, बल्कि लोगों में पढ़ने की संस्कृति और नियमित पढ़ने की आदत को बढ़ावा देना है।

किम जोंग की बहन बोली- परमाणु हथियार छोड़ना बेवकूफी होगी:यह हमारी सुरक्षा की गारंटी; उत्तर कोरिया के पास 60 परमाणु हथियार

सियोल। उत्तर कोरिया ने अपने परमाणु हथियारों को छोड़ने की किसी भी संभावना को सिरे से खारिज कर दिया है। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन की बहन किम यो-जोंग ने परमाणु निरस्त्रीकरण की मांगों पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि परमाणु हथियार छोड़ना "बेवकूफी" होगी। उन्होंने कहा कि देश की परमाणु ताकत उसकी सुरक्षा की गारंटी है और उत्तर कोरिया अपने परमाणु दर्जे से पीछे नहीं हटेगा। किम यो-जोंग का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम को लेकर चिंता बनी हुई है। उन्होंने परमाणु हथियार खत्म करने की मांगों को खारिज करते हुए कहा कि प्योंगयांग अपनी सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों के लिए परमाणु क्षमता बनाए रखेगा। परमाणु ताकत को बताया सुरक्षा कवच उत्तर कोरिया लंबे समय से अपने परमाणु हथियारों को बाहरी सैन्य खतरे के खिलाफ सुरक्षा कवच के रूप में पेश करता रहा है। किम यो-जोंग ने भी इसी नीति को दोहराते हुए स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद देश अपनी परमाणु नीति में बदलाव नहीं करेगा।हथियारों की संख्या पर अलग-अलग अनुमान उत्तर कोरिया के पास वास्तव में कितने परमाणु हथियार हैं, इसका आधिकारिक आंकड़ा सार्वजनिक नहीं है। अलग-अलग देशों और विशेषज्ञ संस्थानों के अनुमान अलग हैं। हालिया रिपोर्टों में उत्तर कोरिया के पास करीब 60 परमाणु हथियार होने का अनुमान सामने आया है, जबकि कुछ आकलन इससे कहीं अधिक संख्या बताते हैं। उत्तर कोरिया लगातार अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को आगे बढ़ाता रहा है। दूसरी ओर, अमेरिका और दक्षिण कोरिया समेत कई देश प्योंगयांग से परमाणु हथियार कार्यक्रम खत्म करने की मांग करते रहे हैं। किम यो-जोंग के ताजा बयान से साफ है कि उत्तर कोरिया फिलहाल परमाणु हथियारों को अपनी सुरक्षा नीति का केंद्रीय हिस्सा मानता है।

मलेशियाई PM की बॉलीवुड प्लेलिस्ट वायरल: मोदी-राहुल से पुतिन तक, तस्वीरों पर लगाए फिल्मी गाने BRICS समिट के बाद अनवर इब्राहिम का अनोखा अंदाज; डिनर में किशोर कुमार का गाना भी गाया

नई दिल्ली। 18वें BRICS समिट के बाद मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम का बॉलीवुड प्रेम सोशल मीडिया पर चर्चा में है। भारत दौरे की तस्वीरों और वीडियो को उन्होंने लोकप्रिय हिंदी फिल्मी गानों के साथ सोशल मीडिया पर साझा किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ तस्वीरों पर लगाए गए अलग-अलग गानों ने लोगों का ध्यान खींचा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत वाले वीडियो पर अनवर ने 'तुझे देखा तो ये जाना सनम' लगाया। मोदी के साथ एक अन्य तस्वीर पर 'दिल तो पागल है' गाना इस्तेमाल किया। वहीं रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ तस्वीर के लिए उन्होंने आमिर खान की फिल्म लगान का 'चले चलो' चुना। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ मुलाकात की तस्वीरों पर अनवर ने फिल्म वीर-जारा का 'ऐसा देश है मेरा' लगाया। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के साथ तस्वीर में 'साथी हाथ बढ़ाना' और BRICS से जुड़े अपने एक वीडियो में 'हर दिल जो प्यार करेगा' का इस्तेमाल किया। BRICS डिनर में खुद गाया किशोर कुमार का गाना अनवर इब्राहिम का बॉलीवुड कनेक्शन यहीं नहीं रुका।

अमेरिका में कवरेज के दौरान NBC चैनल का हेलिकॉप्टर क्रैश:NBC की पत्रकार, पायलट और जमीन पर एक व्यक्ति

बस-SUV टक्कर की हवाई कवरेज कर रहा था हेलिकॉप्टर; स्टोरेज फैसिलिटी की पार्किंग में गिरते ही लगी आग लॉस एंजिल्स। अमेरिका के लॉस एंजिल्स में मंगलवार शाम खबर की कवरेज कर रहा NBC न्यूज का हेलिकॉप्टर हादसे का शिकार हो गया। चैट्सवर्थ इलाके में हेलिकॉप्टर एक सेल्फ-स्टोरेज फैसिलिटी के पास पार्किंग में जा गिरा। दुर्घटना के बाद हेलिकॉप्टर में आग लग गई और आसपा स खड़ी कई गाड़ियां भी इसकी चपेट में आ गईं। हादसे में हेलिकॉप्टर सवार फोटो जर्नलिस्ट एलियाना मोरेनो और पायलट जॉर्ज मार्सिनिव समेत तीन लोगों की मौत हो गई। बस हादसे की कवरेज के दौरान टूटा संपर्क NBC का हेलिकॉप्टर लॉस एंजिल्स मेट्रो बस और एक SUV की टक्कर की हवाई कवरेज कर रहा था। इसी दौरान शाम करीब 7 बजे हेलिकॉप्टर से संपर्क टूट गया। कुछ ही देर बाद उसके दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर सामने आई। हादसे की जानकारी मिलते ही NBC लॉस एंजिल्स ने अपनी लाइव कवरेज रोक दी। फायर डिपार्टमेंट के अनुसार, हादसे के बाद दो लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया। हालांकि उनकी हालत को लेकर तत्काल कोई जानकारी जारी नहीं की गई। पार्किंग में गिरा, गाड़ियों और कंटेनरों में लगी आग हेलिकॉप्टर सैन फर्नांडो वैली के चैट्सवर्थ इलाके में एक सेल्फ-स्टोरेज फैसिलिटी के पास पार्किंग में गिरा। टक्कर के बाद लगी आग ने आसपास खड़ी गाड़ियों और स्टोरेज कंटेनरों को भी अपनी चपेट में ले लिया। दमकलकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। जिस हादसे की कवरेज कर रहा था, उसमें भी गईं दो जानें हेलिकॉप्टर जिस घटना की कवरेज कर रहा था, वह भी गंभीर सड़क हादसा था। नॉर्डहॉफ स्ट्रीट पर लॉस एंजिल्स मेट्रो बस और एक यात्री वाहन की टक्कर में दो लोगों की मौत हुई थी, जबकि कई अन्य घायल हुए थे। इसी घटना की हवाई तस्वीरें जुटाने के दौरान NBC का हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हेलिकॉप्टर हादसे की जांच नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (NTSB) और फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (FAA) करेंगे। दुर्घटना के कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा। लॉस एंजिल्स की मेयर करेन बास और कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने हादसे में जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई।

मोदी के 76वें जन्मदिन पर देशभर में कार्यक्रम:

बंगाल में अन्नपूर्णा योजना की चौथी किश्त जारी, वडनगर से वाराणसी रवाना हुई बाइक यात्रा

अमित शाह ने दिखाई हरी झंडी; 10 राज्यों के 193 जिलों से गुजरेगी सेवा संकल्प यात्रा, 17 अक्टूबर तक चलेगा अभियान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन पर गुरुवार को देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। गुजरात के वडनगर से 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत वाराणसी के लिए बाइक यात्रा रवाना की गई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यात्रा को हरी झंडी दिखाई। यह अभियान प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के मौके पर आयोजित किया जा रहा है। वडनगर से शुरू हुई यात्रा 10 राज्यों, 193 जिलों और 1,159 गांवों से होकर गुजरेगी। अभियान से जुड़े आयोजकों के अनुसार यात्रा का उद्देश्य सेवा, स्वच्छता,पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति और जनकल्याण से जुड़े संदेशों को लोगों तक पहुंचाना है। अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा। बंगाल में डेढ़ करोड़ महिलाओं को अन्नपूर्णा योजना की किश्त प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर पश्चिम बंगाल में अन्नपूर्णा योजना की चौथी किश्त भी जारी की गई। रिपोर्ट के मुताबिक करीब डेढ़ करोड़ महिलाओं के बैंक खातों में राशि सीधे हस्तांतरित की गई। इस मौके पर राज्य में 'अन्नपूर्णा दिवस' कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। शाह बोले- 25 साल की सार्वजनिक सेवा का संदेश लेकर निकली यात्रा वडनगर में आयोजित कार्यक्रम में अमित शाह ने प्रधानमंत्री मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के जरिए प्रधानमंत्री की सार्वजनिक सेवा और सुशासन की यात्रा का संदेश देशभर तक पहुंचाया जाएगा। मोदी का जन्म 17 सितंबर 1950 को गुजरात के वडनगर में हुआ था। जन्मदिन के मौके पर देश के विभिन्न हिस्सों में सेवा, स्वच्छता, स्वास्थ्य और सामाजिक गतिविधियों से जुड़े कार्यक्रम

जन्मदिन विशेष कौन-सी 3 चीजों से समझौता नहीं करते मोदी:किससे अपना दुख साझा करते हैं; 76वें जन्मदिन पर PM मोदी की पर्सनल जिंदगी के किस्से

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन पर उनकी राजनीतिक यात्रा के साथ निजी जिंदगी से जुड़े पहलू भी चर्चा में हैं। वडनगर से देश के प्रधानमंत्री पद तक पहुंचे मोदी ने अलग-अलग मौकों पर अपनी दिनचर्या, आदतों, बचपन और जीवन के अनुभवों के बारे में बात की है। मोदी ने कई बार बताया है कि अनुशासन, नियमित दिनचर्या और लक्ष्य पर एकाग्रता उनके जीवन का अहम हिस्सा हैं। योग और शारीरिक गतिविधियों के साथ वे खान-पान और पर्याप्त आराम को भी अपनी दिनचर्या में महत्व देते हैं। मन की बात के लिए एक खास शख्स एक पुराने इंटरव्यू में जब मोदी से पूछा गया कि वे अपना दुख या मन की बातें किससे साझा करते हैं, तो उन्होंने कहा था कि हर व्यक्ति के जीवन में कोई ऐसा जरूर होना चाहिए, जिसके सामने वह अपने अच्छे-बुरे विचार रख सके। हालांकि उन्होंने उस व्यक्ति का नाम सार्वजनिक नहीं किया था। गुस्सा आता है, पर जाहिर नहीं करते अक्षय कुमार के साथ बातचीत में मोदी ने माना था कि गुस्सा इंसानी स्वभाव का हिस्सा है। उन्होंने कहा था कि वे गुस्से को नियंत्रित रखने की कोशिश करते हैं और सार्वजनिक जीवन में उसे जाहिर नहीं करते।मां की सीख को बताया जीवन का आधार मोदी अपनी मां हीराबेन से मिली सीख का कई बार जिक्र कर चुके हैं। मां की सादगी, संघर्ष और संस्कारों को वे अपने जीवन से जोड़ते रहे हैं। हीराबेन के 100वें जन्मदिन पर उन्होंने मां की सीख को याद करते हुए कहा था—बुद्धि से काम करो और पवित्रता से जियो।एकांत में खुद से संवाद मोदी ने युवावस्था के दिनों को याद करते हुए बताया था कि उन्हें एकांत में समय बिताना पसंद था। दूर-दराज के इलाकों में अकेले रहकर वे चिंतन और आत्ममंथन करते थे। उनके मुताबिक, ऐसे अनुभवों ने उन्हें खुद को समझने और जीवन को नए नजरिए से देखने में मदद की। 76वें जन्मदिन पर प्रधानमंत्री की निजी जिंदगी के ये प्रसंग उनके सार्वजनिक जीवन से अलग उस व्यक्ति की झलक देते हैं, जिसकी दिनचर्या में अनुशासन, आत्ममंथन और परिवार से मिली सीख की अहम भूमिका रही है।

भारत ने पाकिस्तान-चीन सीमा आयोग खारिज किया: कहा- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न हिस्से विदेश मंत्रालय का दो टूक जवाब- 1963 का चीन-पाक सीमा समझौता अवैध; पाकिस्तान भारतीय क्षेत्र से कब्जा हटाए

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान और चीन के बीच गठित सीमा संयुक्त आयोग को कानूनी आधारहीन बताते हुए खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को स्पष्ट किया कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं तथा पाकिस्तान को भारतीय क्षेत्र पर किसी भी तरह की व्यवस्था करने का अधिकार नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत की स्थिति स्पष्ट और लगातार एक जैसी रही है। उन्होंने कहा कि भारत पाकिस्तान-चीन के तथाकथित सीमा आयोग को स्वीकार नहीं करता। भारत का कहना है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले भारतीय क्षेत्र को लेकर इस तरह की कोई व्यवस्था कानूनी मान्यता नहीं रखती।1963 के समझौते को भी नहीं माना भारत ने 1963 में हुए चीन-पाकिस्तान सीमा समझौते को भी लगातार अवैध और अमान्य बताया है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक पाकिस्तान ने उस समय भारतीय क्षेत्र से संबंधित इलाकों को लेकर चीन के साथ समझौता किया था, जिसे भारत ने कभी मान्यता नहीं दी। नई दिल्ली ने दोहराया कि पाकिस्तान को भारत के कब्जे वाले नहीं, बल्कि भारत के दावे वाले क्षेत्र में किसी तीसरे देश के साथ समझौते करने का अधिकार नहीं है। भारत ने लंबे समय से पाकिस्तान से उसके कब्जे वाले भारतीय क्षेत्रों को खाली करने की मांग की है। पाकिस्तान-चीन आयोग की पहली बैठक के बाद विवाद भारत की यह प्रतिक्रिया पाकिस्तान और चीन के सीमा संयुक्त आयोग की पहली बैठक के बाद आई है। बैठक में सीमा प्रबंधन और दोनों देशों के बीच सीमा संबंधी सहयोग पर चर्चा हुई। नई दिल्ली ने स्पष्ट किया कि ऐसे किसी भी कदम से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख पर भारत की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आता। नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान और चीन के बीच गठित सीमा संयुक्त आयोग को कानूनी आधारहीन बताते हुए खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को स्पष्ट किया कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं तथा पाकिस्तान को भारतीय क्षेत्र पर किसी भी तरह की व्यवस्था करने का अधिकार नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत की स्थिति स्पष्ट और लगातार एक जैसी रही है। उन्होंने कहा कि भारत पाकिस्तान-चीन के तथाकथित सीमा आयोग को स्वीकार नहीं करता। भारत का कहना है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले भारतीय क्षेत्र को लेकर इस तरह की कोई व्यवस्था कानूनी मान्यता नहीं रखती। 1963 के समझौते को भी नहीं माना भारत ने 1963 में हुए चीन-पाकिस्तान सीमा समझौते को भी लगातार अवैध और अमान्य बताया है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक पाकिस्तान ने उस समय भारतीय क्षेत्र से संबंधित इलाकों को लेकर चीन के साथ समझौता किया था, जिसे भारत ने कभी मान्यता नहीं दी। नई दिल्ली ने दोहराया कि पाकिस्तान को भारत के कब्जे वाले नहीं, बल्कि भारत के दावे वाले क्षेत्र में किसी तीसरे देश के साथ समझौते करने का अधिकार नहीं है। भारत ने लंबे समय से पाकिस्तान से उसके कब्जे वाले भारतीय क्षेत्रों को खाली करने की मांग की है। पाकिस्तान-चीन आयोग की पहली बैठक के बाद विवाद भारत की यह प्रतिक्रिया पाकिस्तान और चीन के सीमा संयुक्त आयोग की पहली बैठक के बाद आई है। बैठक में सीमा प्रबंधन और दोनों देशों के बीच सीमा संबंधी सहयोग पर चर्चा हुई। नई दिल्ली ने स्पष्ट किया कि ऐसे किसी भी कदम से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख पर भारत की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आता।

मणिपुर हिंसा: राहत शिविरों में 640 मौतों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली। मणिपुर की हिंसा के बाद राहत शिविरों में हुई मौतों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार के रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने राज्य के मुख्य सचिव से राहत शिविरों में हुई 25 संदिग्ध मौतों पर विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। रिपोर्ट में पोस्टमार्टम और मौत के कारणों से जुड़े दस्तावेज भी शामिल करने के निर्देश दिए गए हैं। सुनवाई के दौरान अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए राज्य सरकार से कहा कि अदालत को आदेश पारित करने के लिए मजबूर न किया जाए और अब तक उठाए गए कदमों की जानकारी दी जाए। अदालत ने राहत शिविरों में रह रहे विस्थापित लोगों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। 640 मौतों में सिर्फ 20 पोस्टमार्टम अदालत के समक्ष रखी रिपोर्ट के मुताबिक मणिपुर के आठ जिलों के राहत शिविरों में 640 मौतें दर्ज हुई हैं। इनमें 34 मौतों को अप्राकृतिक बताया गया है। इन मामलों में केवल 20 में पोस्टमार्टम कराया गया। अदालत ने इस पर सवाल उठाते हुए मुआवजे की राशि पर भी जवाब मांगा। सभी संदिग्ध मौतों में FIR का निर्देश सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर लीगल सर्विसेज अथॉरिटी को सभी अप्राकृतिक मौतों के मामलों में FIR दर्ज कराने और जांच तेजी से आगे बढ़ाने को कहा है। सुनवाई में सरकार की ओर से बताया गया कि हिंसा से जुड़े 3,020 मामलों की जांच चल रही है

भारत को सेमीकंडक्टर हब बनाने की तैयारी:PM बोले- भारतीय चिप की दुनियाभर में सप्लाई शुरू; इसकी कमी से फोन-कार महंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत में बने सेमीकंडक्टर चिप अब देश के साथ दुनिया के ग्राहकों तक भी पहुंचने लगी हैं। सेमीकॉन इंडिया 2026 के उद्घाटन के दौरान उन्होंने कहा कि भारत तेजी से वैश्विक सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन का अहम हिस्सा बन रहा है। चिप की वैश्विक कमी का असर मोबाइल, कार और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की कीमतों पर पड़ सकता है। भारत घरेलू उत्पादन बढ़ाकर आयात पर निर्भरता कम करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

भारतीय विमेंस टीम एशियन गेम्स के सेमीफाइनल में:जापान को 8 विकेट से हराया, शेफाली ने नाबाद 40 रन बनाए, चरणी को 4 विकेट

भारतीय विमेंस टीम एशियन गेम्स 2026 के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। टीम ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में जापान को 8 विकेट से हराया। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में जापान की टीम 19.5 ओवर में 57 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में भारत ने शेफाली वर्मा के नाबाद 40 रन की मदद से 58 रन का टारगेट 5 ओवर में 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया। भारत की ओर से श्री चरणी ने 4 विकेट लिए। शेफाली वर्मा ने 2, जबकि दीप्ति शर्मा और श्रेयांका पाटिल को 1-1 विकेट मिले। जापान की दो बल्लेबाज रन आउट हुईं। भारत 2023 एशियन गेम्स का डिफेंडिंग चैंपियन है। टीम ने गोल्ड मेडल जीता था। भारत ने हाल ही में 8वीं बार विमेंस एशिया कप का खिताब भी अपने नाम किया है।

भारत ने अफगानिस्तान को 127 रन से हराया:तीसरे टी-20 में अभिषेक ने 108 रन बनाए, सैमसन की फिफ्टी; नीतीश-बिश्नोई को 3-3 विकेट

भारत ने अफगानिस्तान को तीसरे टी-20 में 127 रन से हरा दिया। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 221 रन बनाए। जवाब में अफगानिस्तान की टीम 14.1 ओवर में 94 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत ने सीरीज 3-0 से क्लीन स्वीप कर ली। भारत की जीत के हीरो अभिषेक शर्मा रहे। उन्होंने 34 गेंद पर 108 रन बनाए। अभिषेक ने 9 चौके और 11 छक्के लगाए। संजू सैमसन ने 35 गेंद पर 50 रन बनाए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 59 गेंद पर 142 रन की साझेदारी की। अफगानिस्तान की ओर से इब्राहिम जादरान ने 25 और अजमतुल्लाह उमरजई ने 17 रन बनाए। भारत के लिए नीतीश कुमार रेड्डी और रवि बिश्नोई ने 3-3 विकेट लिए। अक्षर पटेल को 2 विकेट मिले। जसप्रीत बुमराह और यश ठाकुर ने एक-एक विकेट चटकाए।

पाक की न्यूट्रल वेन्यू मांग खारिज: हॉकी इंडिया का दो टूक- खेलना है तो भारत आना होगा

नई दिल्ली। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर भारत-पाकिस्तान के बीच तनातनी बढ़ गई है। पाकिस्तान की न्यूट्रल वेन्यू पर मैच कराने की मांग को हॉकी इंडिया ने साफ तौर पर खारिज कर दिया है। हॉकी इंडिया ने कहा कि टूर्नामेंट तय कार्यक्रम के मुताबिक भारत में ही होगा और पाकिस्तान को खेलना है तो भारत आना होगा। पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने मौजूदा हालात और सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अपने मुकाबले न्यूट्रल मैदान पर कराने की मांग की थी। हालांकि, टूर्नामेंट से हटने की बात नहीं कही गई है। टूर्नामेंट 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक प्रस्तावित है। लीग मुकाबले जालंधर और सेमीफाइनल-फाइनल मोहाली में होने हैं। भारत-पाकिस्तान मुकाबला 1 नवंबर को जालंधर में प्रस्तावित है। अब निगाहें पाकिस्तान के अगले कदम और आयोजन से जुड़े अंतिम फैसले पर हैं।

भारत ने अफगानिस्तान से जीती टी-20 सीरीज:दूसरा मैच 7 विकेट से जीता, 160 रन का टारगेट 31 बॉल रहते हासिल किया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज पर अपना कब्जा जमा लिया है। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए दूसरे टी-20 मुकाबले में भारत ने अफगानिस्तान को 7 विकेट से करारी शिकस्त दी। 160 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया ने महज 14.5 ओवर में 3 विकेट खोकर 163 रन बना दिए। भारत ने लक्ष्य से 31 गेंद पहले मुकाबला खत्म कर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। सैमसन ने बरसाए चौके-छक्के भारत की जीत में संजू सैमसन की विस्फोटक बल्लेबाजी आकर्षण का केंद्र रही। सैमसन ने महज 22 गेंदों में 57 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 7 चौके और 4 छक्के लगाए। सैमसन ने मैदान के चारों तरफ शॉट लगाकर अफगानिस्तानी गेंदबाजों पर दबाव बना दिया। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने भारत के लिए लक्ष्य का पीछा बेहद आसान कर दिया। अभिषेक के साथ तेज शुरुआत सैमसन को दूसरे छोर पर अभिषेक शर्मा का शानदार साथ मिला। दोनों बल्लेबाजों ने शुरुआती ओवरों में ही रन गति को तेज कर दिया। सैमसन और अभिषेक ने पहले विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी कर भारत की जीत की नींव रखी। अभिषेक ने भी तेज बल्लेबाजी करते हुए 39 रन बनाए। शुरुआती साझेदारी टूटने के बाद भी भारतीय बल्लेबाजों ने अफगानिस्तान को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। गेंदबाजों ने कसी लगाम इससे पहले अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 159 रन बनाए। भारतीय गेंदबाजों ने बीच के ओवरों में लगातार विकेट निकालकर अफगानिस्तान की रन गति पर अंकुश लगाए रखा। अफगानिस्तान की ओर से कुछ बल्लेबाजों ने उपयोगी पारियां खेलीं, लेकिन टीम बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर सकी।

शतरंज की बिसात पर होगा युवा दिग्गजों का महामुकाबला 20 साल के गुकेश और 19 साल के सिंदारोव आमने-सामने, वर्ल्ड चैंपियनशिप में पहली बार इतनी कम उम्र के खिलाड़ियों की टक्कर

नई दिल्ली। शतरंज की दुनिया में एक नया इतिहास लिखे जाने की तैयारी है। वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप के खिताब के लिए भारत के डी. गुकेश और उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव आमने-सामने होंगे। खास बात यह है कि गुकेश की उम्र 20 साल और सिंदारोव महज 19 साल के हैं। दोनों के बीच मुकाबला 22 नवंबर से 12 दिसंबर तक स्विट्जरलैंड के जेनेवा में खेला जाएगा। मौजूदा विश्व चैंपियन गुकेश इस बार अपने खिताब की रक्षा करने उतरेंगे। 2024 में विश्व चैंपियन बनकर उन्होंने शतरंज के इतिहास में अपनी खास पहचान बनाई थी। अब उनके सामने युवा चुनौती के रूप में सिंदारोव होंगे, जिन्होंने शानदार प्रदर्शन के दम पर विश्व चैंपियनशिप में जगह बनाई है।

विमेंस एशियन गेम्स-जापान में भारत करेगा गोल्ड बचाने की कोशिश:8 टीमें खेलेंगी; फाइनल में ही हो सकता है भारत-पाकिस्तान मुकाबला

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में महिला क्रिकेट का रोमांच शुरू हो चुका है। जापान में होने वाले टी-20 टूर्नामेंट में आठ टीमें खिताब के लिए मैदान में हैं। भारत मौजूदा चैंपियन है और 2023 हांगझोउ एशियन गेम्स में जीता स्वर्ण पदक बचाने के इरादे से उतरेगा। महिला क्रिकेट का पूरा मुकाबला नॉकआउट प्रारूप में खेला जा रहा है। भारत का क्वार्टर फाइनल मुकाबला मेजबान जापान से है। जीतने पर भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी, जहां उसका सामना बांग्लादेश या हांगकांग की विजेता टीम से होगा। दूसरी ओर पाकिस्तान का क्वार्टर फाइनल थाईलैंड से है। ड्रॉ के मुताबिक भारत और पाकिस्तान की टीमें शुरुआती दौर में आमने-सामने नहीं होंगी। दोनों के बीच मुकाबला तभी संभव है, जब दोनों टीमें अपने-अपने सेमीफाइनल जीतकर फाइनल में पहुंचें। भारत-पाक की भिड़ंत कांस्य पदक मुकाबले में भी संभव है। महिला क्रिकेट का स्वर्ण पदक मुकाबला 22 सितंबर को निर्धारित है। भारत हाल ही में श्रीलंका को हराकर रिकॉर्ड आठवीं बार महिला एशिया कप जीत चुका है। अब हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम की नजर एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार स्वर्ण पर है।

भारत में फॉर्मूला वन रेसिंग दोबारा कराने की तैयारी:सरकार ने बनाया टास्क फोर्स, आखिरी बार 2013 में हुई थी रेस

नई दिल्ली। भारत में एक बार फिर दुनिया की सबसे चर्चित मोटर रेसिंग प्रतियोगिता फॉर्मूला-1 की वापसी की तैयारी तेज हो गई है। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भारत में फॉर्मूला-1 और मोटरस्पोर्ट्स को दोबारा बढ़ावा देने के लिए 10 सदस्यीय टास्क फोर्स गठित करने की घोषणा की है। इस समिति का उद्देश्य भारत में फॉर्मूला-1 की वापसी की संभावनाओं, चुनौतियों और जरूरी व्यवस्थाओं का विस्तृत अध्ययन करना है। सरकार ने 2028 में भारत में F1 रेस आयोजित करने का लक्ष्य रखा है। नीतिगत अड़चनों की होगी जांच टास्क फोर्स की अध्यक्षता नीति आयोग के प्रोग्राम डायरेक्टर और सलाहकार युगल किशोर जोशी करेंगे। समिति में खेल मंत्रालय के साथ पर्यटन और वाणिज्य विभाग, राजस्व विभाग, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र सरकार के प्रतिनिधि तथा मोटरस्पोर्ट्स से जुड़े विशेषज्ञ शामिल होंगे। समिति खास तौर पर टैक्स, नियम-कायदों, बुनियादी ढांचे और आयोजन से जुड़ी चुनौतियों का अध्ययन करेगी। साथ ही बड़े अंतरराष्ट्रीय मोटरस्पोर्ट्स आयोजनों से होने वाले आर्थिक, पर्यटन और निवेश संबंधी लाभों का भी आकलन किया जाएगा। बुद्ध सर्किट पर फिर दौड़ सकती हैं F1 कारें भारत में फॉर्मूला-1 की वापसी के लिए ग्रेटर नोएडा का बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट प्रमुख केंद्र के तौर पर सामने है। इसी सर्किट पर 2011 से 2013 तक भारतीय ग्रां प्री का आयोजन हुआ था। वर्ष 2013 के बाद टैक्स और प्रशासनिक मुद्दों समेत कई अड़चनों के चलते भारत F1 कैलेंडर से बाहर हो गया था। अब सरकार इन पुरानी अड़चनों को दूर करने और मोटरस्पोर्ट्स के लिए एक स्थायी नीति तैयार करने पर काम कर रही है। टास्क फोर्स पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) जैसे विकल्पों पर भी विचार करेगी। अगर योजना तय समय के अनुसार आगे बढ़ती है, तो 2028 में भारत में फिर फॉर्मूला-1 का शोर, रफ्तार और रोमांच देखने को मिल सकता है। हालांकि फिलहाल 2028 का आयोजन एक सरकारी लक्ष्य है,

भोपाल के कोतवाली TI सहित 3 पुलिसकर्मी निलंबित:चौक बाजार में एसीपी की दबिश में दर्जनभर से ज्यादा जुआरी पकड़े, TI पर संरक्षण का आरोप

भोपाल राजधानी में जुआरियों के खिलाफ कार्रवाई में लापरवाही सामने आने के बाद कोतवाली थाना प्रभारी प्रभात गौड़ को निलंबित कर दिया गया है। उनके साथ बीट प्रभारी एएसआई राकेश गुर्जर और माइक्रो बीट प्रभारी आरक्षक नरेंद्र रावत पर भी कार्रवाई की गई है। तीनों को लाइन अटैच करने के साथ निलंबित किया गया है। कार्रवाई चौक बाजार में जुए के अड्डे पर एसीपी कोतवाली संतोष पटेल की टीम द्वारा की गई दबिश के बाद हुई। एसीपी ने दबिश देकर पकड़े थे दर्जनभर से ज्यादा जुआरी जानकारी के मुताबिक गत दिवस एसीपी कोतवाली संतोष पटेल ने अपनी टीम के साथ चौक बाजार क्षेत्र में जुए के अड्डे पर छापा मारा था। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दर्जनभर से अधिक जुआरियों को पकड़ा था। मौके से करीब सवा दो लाख रुपए भी जब्त किए गए थे। कार्रवाई के बाद पुलिस अधिकारियों ने जुए के अड्डे के संचालन और स्थानीय पुलिस की भूमिका की जानकारी जुटाई। जांच में सामने आया कि क्षेत्र में जुआ चलने की जानकारी होने के बावजूद उसे रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। कई बार निर्देश के बावजूद नहीं रुका जुआ जुआ बंद कराने को लेकर आला अधिकारियों की ओर से पहले भी निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद थाना स्तर पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने की बात सामने आई। जांच में थाना प्रभारी प्रभात गौड़ पर जुआरियों को संरक्षण देने के आरोपों की भी पड़ताल की गई। इसी आधार पर डीसीपी जोन-3 आयुष गुप्ता ने थाना प्रभारी के साथ बीट और माइक्रो बीट स्तर के पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की। इससे पहले बजरिया TI भी हो चुकीं निलंबित जुए के मामले में भोपाल पुलिस की ओर से थाना स्तर के अधिकारियों पर यह दूसरी बड़ी कार्रवाई है। इससे पहले बजरिया थाना प्रभारी शिल्पा कौरव को भी निलंबित किया गया था। उन पर भी जुआरियों को संरक्षण देने के आरोप सामने आए थे। एसीपी कोतवाली संतोष पटेल ने कोतवाली थाना प्रभारी और अन्य पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की पुष्टि की है। पुलिस अब जुए के अड्डे से जुड़े अन्य लोगों और लंबे समय से चल रही गतिविधियों की भी जानकारी जुटा रही है।

27 साल की सेवा के बाद 7 अफसरों को मिला 2016 का IPS बैच

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सात पुलिस अधिकारियों की वरिष्ठता को लेकर अहम फैसला किया है। करीब 27 साल की सेवा के बाद इन अधिकारियों को 2016 बैच का IPS कैडर प्रदान किया गया है। लंबे समय से लंबित वरिष्ठता और कैडर से जुड़े मामले पर मंत्रालय के आदेश के बाद स्थिति स्पष्ट हो गई है। मंत्रालय के निर्णय के तहत संबंधित अधिकारियों को 2016 बैच के अनुसार सेवा वरिष्ठता का लाभ मिलेगा। इसका असर उनकी पदोन्नति और अन्य सेवा लाभों पर पड़ सकता है। अधिकारियों की सेवा अवधि और लागू नियमों के आधार पर वरिष्ठता निर्धारित की गई है। लंबे इंतजार के बाद जारी हुए इस आदेश से सातों अधिकारियों की सेवा संबंधी स्थिति साफ हो गई है। अब संबंधित विभाग मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार आगे की प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी करेंगे।

बालाघाट में 32 बच्चों की मौत, हर रोज 60 बीमार:डिस्चार्ज के बाद फिर तेज बुखार; जांच में मीजल्स-मलेरिया के पॉजिटिव केस

बालाघाट। जिले के बैहर-बिरसा क्षेत्र के आदिवासी इलाकों में बच्चों के बीच बीमारी का प्रकोप गंभीर चिंता का विषय बन गया है। पिछले तीन महीनों में 32 बच्चों की मौत की जानकारी सामने आई है। वहीं प्रभावित क्षेत्रों में रोजाना करीब 60 बच्चे तेज बुखार समेत अन्य लक्षणों के साथ इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। जांच में मीजल्स (खसरा) और मलेरिया के पॉजिटिव मामले मिलने से स्वास्थ्य विभाग की चिंता और बढ़ गई है। सबसे ज्यादा परेशानी उन परिवारों को हो रही है, जिनके बच्चे इलाज के बाद अस्पताल से घर लौटने पर दोबारा तेज बुखार की चपेट में आ रहे हैं। स्वास्थ्य टीमों द्वारा प्रभावित गांवों में बच्चों की जांच और निगरानी की जा रही है। जांच में मीजल्स के साथ मलेरिया संक्रमण के मामले भी सामने आए हैं। अधिकारियों के अनुसार बच्चों की गंभीर हालत के पीछे केवल एक बीमारी जिम्मेदार नहीं हो सकती। कुपोषण, डिहाइड्रेशन, एनीमिया और अन्य संक्रमण भी बच्चों की हालत बिगाड़ने में भूमिका निभा सकते हैं। स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित गांवों में घर-घर सर्वे, स्क्रीनिंग, मोबाइल मेडिकल यूनिट और टीकाकरण अभियान तेज किया है। मलेरिया की जांच और उपचार के साथ बच्चों की नियमित निगरानी भी की जा रही है। दूरदराज के आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच और समय पर उपचार उपलब्ध कराना अब प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती है।

भोपाल में स्मैक के साथ दो युवक गिरफ्तार:आरोपियों से 3.53 ग्राम मादक पदार्थ और दो मोबाइल जब्त; एक पर 14 केस

भोपाल। एमपी नगर जोन-1 स्थित मेट्रो ब्रिज के पास स्मैक बेचने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहे दो युवकों को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 3.53 ग्राम स्मैक और दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। जब्त सामान की कीमत करीब 1.50 लाख रुपए बताई गई है। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत मामला दर्ज कर शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया गया। क्राइम ब्रांच को गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिली थी कि मेट्रो ब्रिज के पास मैदान में दो युवक मादक पदार्थ लेकर बैठे हैं। टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और दोनों को पकड़ लिया। तलाशी में हर्षवर्धन नगर निवासी 28 वर्षीय कार्तिक राजपूत के पास रेडमी मोबाइल और स्मैक की पुड़िया मिली। वहीं आनंद नगर निवासी 21 वर्षीय सूरज कुशवाह के पास वीवो मोबाइल और स्मैक बरामद हुई। पुलिस के अनुसार कार्तिक निजी ड्राइवर है और उसके खिलाफ चोरी, नकबजनी और लूट समेत 14 अपराध दर्ज हैं। दूसरा आरोपी सूरज आठवीं तक पढ़ा है और डिलीवरी का काम करता है। पुलिस अब दोनों से पूछताछ कर रही है कि स्मैक कहां से लाई गई थी और इसकी सप्लाई किन लोगों को की जानी थी। मोबाइल फोन की जांच के जरिए नशे के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों का पता लगाने का प्रयास भी किया जा रहा है।

भोपाल में भी जले 7 लाख से ज्यादा दीप: 17 गांवों के 11 स्थानों पर सामूहिक दीप प्रज्ज्वलन, 25 फीट ऊंचे स्तंभ पर मंत्री सारंग ने जलाया दीप

भोपाल। दीपों की रोशनी से राजधानी का ग्रामीण अंचल भी जगमगा उठा। 17 गांवों के 11 अलग-अलग स्थानों पर आयोजित सामूहिक दीप प्रज्ज्वलन कार्यक्रम में 7 लाख से अधिक दीप जलाए गए। श्रद्धा और उत्साह के बीच ग्रामीणों ने एक साथ दीप जलाकर वातावरण को रोशन कर दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भागीदारी की। आयोजन के दौरान मंत्री विश्वास सारंग ने 25 फीट ऊंचे स्तंभ पर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद विभिन्न स्थानों पर एक साथ दीप जलाए गए। हजारों दीपों की रोशनी से गांवों का वातावरण आकर्षक नजर आया। आयोजन में महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने भी उत्साह के साथ हिस्सा लिया। सामूहिक दीप प्रज्ज्वलन के दौरान धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकजुटता का संदेश भी दिखाई दिया। ग्रामीण क्षेत्रों में जगह-जगह दीप सजाए गए और लोगों ने उत्सव के माहौल में सहभागिता की। आयोजकों के अनुसार बड़ी संख्या में दीप प्रज्ज्वलित करने का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सामूहिक सहभागिता और सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा देना है। 11 स्थानों पर एक साथ दीप जलने से ग्रामीण अंचल रोशनी से नहा उठा। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा और व्यवस्थाओं के लिए स्थानीय स्तर पर इंतजाम किए गए थे। आयोजन में शामिल लोगों ने इसे सामूहिक आस्था और उत्साह का अवसर बताया।

ममता बनर्जी की पार्टी का नाम 'ममता टीएमसी':सिंबल फुटबॉल प्लेयर; बागी गुट 'डेमोक्रेटिक टीएमसी' कहलाएगा, 6 अक्टूबर का उपचुनाव नए नाम-सिंबल पर

बंगाल में दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव से 18 दिन पहले चुनाव आयोग ने TMC के दोनों गुटों को अलग-अलग नाम और चुनाव चिह्न आवंटित कर दिए हैं। ममता बनर्जी के गुट को 'ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' और 'फुटबॉल खिलाड़ी' का चिह्न मिला है, जबकि दूसरे गुट को 'डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस' और 'लिफाफा' दिया गया है। इससे एक दिन पहले आयोग ने दोनों गुटों को 'ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' नाम और 'फूल-घास' वाला मूल चुनाव चिह्न इस्तेमाल करने से रोक दिया था। यह अंतरिम व्यवस्था है। मूल नाम और चिह्न पर अंतिम फैसला अभी आना बाकी है। अब दोनों गुट उपचुनाव में नई पार्टी नाम और सिंबल से चुनाव लड़ेंगे। नंदीग्राम और रेजीनगर पर 6 अक्टूबर को वोटिंग हैं और रिजल्ट 9 अक्टूबर को आएगा। TMC के दोनों गुट अपने-अपने उम्मीदवार उतार चुके पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीटों पर 6 अक्टूबर को उपचुनाव हैं। ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले बागी TMC धड़े से मोहम्मद एतेशामुल हक नंदीग्राम और सफीउद्दीन शेख रेजीनगर से चुनाव लड़ेंगे। वहीं, पूर्व सीएम ममता बनर्जी की TMC ने रविवार को नंदीग्राम से संचिता प्रधान (डे) और रेजीनगर से रबीउल आलम चौधरी को उम्मीदवार घोषित किया था। ममता के पास अब सिर्फ 22 विधायक और 19 सांसद बचे टीएमसी के पास कुल 28 लोकसभा सांसद थे, जिसमें से 20 अलग हो गए हैं। अब लोकसभा में ममता के पास सिर्फ 8 सांसद बचे हैं। राज्यसभा की बात करें तो 13 में से दो सांसद इस्तीफा दे चुके हैं यानी सिर्फ 11 राज्यसभा सांसद बचे हैं। विधानसभा की बात करें तो टीएमसी ने इस बार के चुनाव में 80 सीटें जीतीं थीं। जिसमें से 58 विधायक अलग गुट बना चुके हैं। ममता के पास सिर्फ 22 विधायक बचे हैं।

भारत के इतिहास में सिर्फ एक बार हुआ:चूहों ने भड़काई बगावत, हथियार उठाकर युवा पाकिस्तान-चीन से मिले; इंदिरा ने अपने ही शहर पर बरसाए बम

भारत के इतिहास में मिजोरम का 1966 का विद्रोह एक असाधारण घटना के रूप में दर्ज है। इसकी जड़ 1959 में पैदा हुए 'मौताम' अकाल से जुड़ी थी। बांस के जंगलों में बड़े पैमाने पर फूल आने के बाद चूहों की संख्या अचानक बढ़ गई। चूहों ने फसलों और अनाज को भारी नुकसान पहुंचाया, जिससे मिजोरम में खाद्य संकट गहरा गया। सरकारी राहत और व्यवस्था को लेकर असंतोष बढ़ा और मिजो नेशनल फ्रंट (MNF) का आंदोलन मजबूत होता गया। 1966 में MNF ने सशस्त्र विद्रोह करते हुए सरकारी ठिकानों पर हमले किए। इसके बाद केंद्र सरकार ने सैन्य कार्रवाई शुरू की। 5 मार्च 1966 को भारतीय वायुसेना ने आइजोल में हवाई हमला किया। यह घटना इसलिए भी ऐतिहासिक मानी जाती है क्योंकि भारत में अपने ही क्षेत्र के खिलाफ वायुसेना के इस्तेमाल का यह बेहद दुर्लभ उदाहरण था।

जंगल के बीच माता महल, कठोतिया की धरती पर छिपे हैं कई रहस्य

1.प्राचीन रॉक शेल्टर्स और गुफाएं (17,000 साल पुराना इतिहास)कठौतिया के घने जंगलों के बीच 65 से ज्यादा प्राचीन रॉक शेल्टर्स (शैलचित्र गुफाएं) छिपी हुई हैं। ये गुफाएं करीब 17,000 साल से भी ज्यादा पुरानी मानी जाती हैं। इन गुफाओं की दीवारों पर लाल और सफेद रंगों से आदिमानवों द्वारा बनाए गए शिकार, नृत्य और वन्यजीवों के रहस्यमयी चित्र आज भी मौजूद हैं, जो प्रसिद्ध भीमबैठका की गुफाओं जैसे ही प्रतीत होते हैं।

2. नवाबों का इतिहास और 'माता' व 'महल' का संबंधस्थानीय लोककथाओं और इतिहास के अनुसार, भोपाल रियासत के आखिरी नवाब, हमीदुल्लाह खान ने यह वन क्षेत्र अपनी बेटी नवाबजादी राबिया सुल्तान बेगम को उपहार में दिया था, जिसके बाद इसे 'राबियाबाद कठौतिया' भी कहा जाने लगा। जंगलों के भीतर कुछ प्राचीन संरचनाओं के अवशेष और पहाड़ी चट्टानों की प्राकृतिक बनावट एक 'प्राकृतिक महल' (कठोरा या कटोरे के आकार की घाटी) जैसी दिखती है, जिसे स्थानीय लोग कई बार माता के प्राचीन स्थान या प्राकृतिक महल के रूप में जोड़कर देखते हैं।

3. घने जंगलों और वन्यजीवों का रहस्ययह पूरा इलाका रातापानी अभ्यारण्य और सीहोर के जंगलों से जुड़ा हुआ है, जहाँ बाघों (Tigers) और तेंदुओं का मुक्त विचरण रहता है। स्थानीय भील और भिलाला जनजाति के लोग इन जंगलों में रहते हैं। वे जंगलों के भीतर स्थित प्राचीन देव-स्थानों और 'वन देवी/माता' की पूजा करते हैं। उनका मानना है कि इन रहस्यमयी जंगलों और हिंसक जीवों से वन्य-माता ही उनकी रक्षा करती हैं।

नेवरी और गुफा मंदिर: गुफाओं व प्राकृतिक जलधाराओं में छिपा रहस्य

भोपाल। राजधानी के आसपास कई ऐसे स्थल हैं, जहां प्रकृति और आस्था का अनोखा संगम देखने को मिलता है। नेवरी और गुफा मंदिर भी इन्हीं में शामिल हैं। यहां पहाड़ी चट्टानों के बीच बनी प्राकृतिक गुफाएं और बारिश के दौरान बहने वाली जलधाराएं लोगों को आकर्षित करती हैं। गुफा मंदिर में भगवान शिव की पूजा-अर्चना की जाती है। स्थानीय लोगों के बीच गुफाओं को लेकर कई धार्मिक मान्यताएं और कथाएं प्रचलित हैं। सावन और महाशिवरात्रि जैसे पर्वों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ जाती है।

साल में सिर्फ एक दिन खुलता है ये मंदिर: रक्षाबंधन पर भगवान विष्णु को राखी बांधती हैं बहनें , 364 दिन बंद रहते हैं कपाट

चमोली। उत्तराखंड की ऊंची हिमालयी वादियों में एक ऐसा मंदिर भी है, जिसके कपाट सालभर में सिर्फ एक दिन श्रद्धालुओं के लिए खोले जाते हैं। यह अनोखा मंदिर है बंशी नारायण मंदिर, जो चमोली जिले की उर्गम घाटी में स्थित है। रक्षाबंधन के दिन मंदिर के कपाट खुलते हैं और यहां भगवान विष्णु के बंशी नारायण स्वरूप की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। इस दिन मंदिर में दूर-दूर से श्रद्धालु पहुंचते हैं और भगवान को राखी अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि और रक्षा की कामना करते हैं। रक्षाबंधन पर बदल जाता है मंदिर का माहौल रक्षाबंधन के दिन सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की आवाजाही शुरू हो जाती है। बहनें भगवान विष्णु को राखी बांधती हैं और इसके बाद अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधने की परंपरा निभाती हैं। धार्मिक मान्यता है कि भगवान स्वयं समस्त सृष्टि के रक्षक हैं, इसलिए रक्षाबंधन के अवसर पर उन्हें रक्षा सूत्र अर्पित करने का विशेष महत्व है। मंदिर के कपाट खुलने का यह अवसर स्थानीय लोगों के साथ श्रद्धालुओं के लिए भी बेहद खास माना जाता है। पूजा के दौरान भगवान को राखी, फूल , अक्षत और अन्य पूजन सामग्री अर्पित की जाती है। दर्शन के बाद भक्त भगवान से अपने परिवार की रक्षा, सुख और समृद्धि की प्रार्थना करते हैं। नारद मुनि से जुड़ी है पौराणिक मान्यता बंशी नारायण मंदिर को लेकर कई पौराणिक मान्यताएं प्रचलित हैं। एक मान्यता के अनुसार, भगवान विष्णु के इस स्वरूप की पूजा देवर्षि नारद करते हैं। कहा जाता है कि वर्ष के बाकी दिनों में नारद मुनि भगवान की पूजा करते हैं, जबकि मनुष्यों को यहां पूजा और दर्शन का अवसर केवल रक्षाबंधन के दिन मिलता है। इसी धार्मिक मान्यता के कारण इस दिन मंदिर के कपाट खुलने को विशेष महत्व दिया जाता है। राजा बलि और भगवान विष्णु की कथा भी जुड़ी मंदिर से जुड़ी एक अन्य प्रचलित कथा भगवान विष्णु के वामन अवतार और राजा बलि से संबंधित है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान विष्णु ने वामन अवतार लेकर राजा बलि से तीन पग भूमि मांगी थी। बाद में भगवान के विराट स्वरूप से जुड़ी कथा को इस क्षेत्र की धार्मिक परंपराओं से जोड़ा जाता है। हालांकि इन कथाओं के अलग-अलग स्थानीय रूप मिलते हैं, इसलिए इन्हें धार्मिक मान्यताओं के रूप में ही देखा जाता है। हिमालय की गोद में बसा है मंदिर बंशी नारायण मंदिर समुद्र तल से करीब 3,000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित बताया जाता है। चारों तरफ पहाड़, हरियाली और हिमालयी प्राकृतिक सौंदर्य इस स्थान को और खास बनाते हैं। मंदिर तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को पहाड़ी रास्तों से होकर गुजरना पड़ता है। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद रक्षाबंधन के दिन यहां श्रद्धालुओं की आस्था उन्हें खींच लाती है। साल के 364 दिन बंद रहने और केवल रक्षाबंधन पर खुलने की परंपरा ने इस मंदिर को देश के अनोखे धार्मिक स्थलों में शामिल कर दिया है। यहां रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम और रक्षा का पर्व नहीं, बल्कि भगवान विष्णु के प्रति श्रद्धा और आस्था प्रकट करने का भी अवसर बन जाता है। एक दिन खुलने वाला यह मंदिर हर साल हजारों श्रद्धालुओं के लिए आस्था, परंपरा और रहस्य का केंद्र बन जाता है।

सोरों के खो-खो माता मंदिर को सौंदर्यीकरण का इंतजार: सैकड़ों साल पुराना धाम, दूर-दूर से पहुंचते हैं श्रद्धालु सोरों

धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक विरासत के लिए पहचान रखने वाले सोरों क्षेत्र में स्थित खो-खो माता मंदिर आज भी श्रद्धालुओं के विश्वास का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। सैकड़ों साल पुराने इस मंदिर में स्थानीय लोगों के साथ आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। लंबे समय से मंदिर के सौंदर्यीकरण और मूलभूत सुविधाओं के विकास की मांग उठती रही है, लेकिन श्रद्धालुओं का कहना है कि मंदिर को वह सुविधाएं और व्यवस्थित स्वरूप नहीं मिल पाया है, जिसका यह प्राचीन धार्मिक स्थल हकदार है। पुरानी आस्था से जुड़ा है मंदिर खो-खो माता मंदिर को लेकर क्षेत्र में कई धार्मिक मान्यताएं प्रचलित हैं। स्थानीय श्रद्धालुओं के अनुसार मंदिर की आस्था कई पीढ़ियों से चली आ रही है। विशेष अवसरों, पर्व और धार्मिक आयोजनों के दौरान यहां भक्तों की संख्या बढ़ जाती है। दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालु माता के दर्शन कर परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हैं। मंदिर परिसर की प्राचीनता और धार्मिक महत्व इसे क्षेत्र के अन्य धार्मिक स्थलों से अलग पहचान देते हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि मंदिर की ऐतिहासिक पहचान को संरक्षित रखते हुए इसका विकास किया जाना चाहिए। सौंदर्यीकरण के साथ सुविधाओं की जरूरत स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं की मांग है कि मंदिर परिसर का व्यवस्थित सौंदर्यीकरण कराया जाए। परिसर में साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, बैठने की जगह, पेयजल और श्रद्धालुओं के आवागमन से जुड़ी सुविधाओं को बेहतर बनाने की जरूरत बताई जा रही है। मंदिर के आसपास भी स्वच्छ और सुव्यवस्थित वातावरण विकसित करने की मांग है, ताकि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो। श्रद्धालुओं का कहना है कि यदि मंदिर परिसर का योजनाबद्ध तरीके से विकास किया जाए तो यहां आने वाले लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिल सकता है। प्रशासन से पहल की उम्मीद स्थानीय लोगों का कहना है कि प्राचीन मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत का हिस्सा होते हैं। ऐसे में इनके संरक्षण के साथ विकास भी जरूरी है। लोगों ने प्रशासन से मंदिर की स्थिति का जायजा लेकर आवश्यक कार्यों की योजना तैयार करने और सौंदर्यीकरण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। श्रद्धालुओं को उम्मीद है कि प्रशासन और संबंधित विभाग इस प्राचीन धरोहर की ओर ध्यान देंगे और मंदिर परिसर को बेहतर सुविधाओं से विकसित करेंगे। सैकड़ों साल पुरानी आस्था का यह केंद्र आज भी श्रद्धालुओं को अपनी ओर खींच रहा है, लेकिन अब इसे संरक्षण, सुविधाओं और सौंदर्यीकरण का इंतजार है।

देवबदला और आशापुरी: जमीन के नीचे दफन 1000 साल पुराने मंदिरों ने खोले इतिहास के पन्ने

भोपाल/सीहोर/रायसेन। मध्यप्रदेश की धरती इतिहास और पुरातात्विक रहस्यों से भरी पड़ी है। राजधानी भोपाल के आसपास का इलाका भी ऐसे ही प्राचीन अवशेषों को अपने भीतर समेटे हुए है। सीहोर और रायसेन जिले में स्थित देवबदला और आशापुरी ऐसे ही पुरास्थल हैं, जहां जमीन के नीचे दबे प्राचीन मंदिरों और स्थापत्य अवशेषों ने मध्यकालीन भारत के इतिहास की कई महत्वपूर्ण कड़ियों को सामने लाया है। पुरातात्विक अनुसंधान और उत्खनन से सामने आए इन अवशेषों में मंदिरों के पत्थर, स्थापत्य खंड और मूर्तिकला के नमूने शामिल हैं। देवबदला में बिखरे मिले मंदिरों के निशान सीहोर जिले के देवबदला क्षेत्र में प्राचीन मंदिर स्थापत्य के अवशेष लंबे समय से इतिहासकारों और पुरातत्वविदों की रुचि का विषय रहे हैं। यहां अलग-अलग स्थानों पर मिले पत्थरों और मंदिरों के वास्तु-खंडों से संकेत मिलता है कि कभी इस क्षेत्र में धार्मिक गतिविधियों का बड़ा केंद्र रहा होगा। जमीन के भीतर दबे अवशेषों ने यह सवाल भी खड़ा किया कि आखिर किन परिस्थितियों में ये मंदिर और उनकी संरचनाएं समय के साथ मिट्टी में दब गईं। पत्थरों पर दिखाई देने वाली नक्काशी, स्तंभों के हिस्से और अन्य स्थापत्य सामग्री उस दौर की शिल्पकला की झलक देती है। इन अवशेषों को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि तत्कालीन कारीगर पत्थर तराशने और मंदिर निर्माण की कला में कितने दक्ष थे। आशापुरी में मंदिरों का विशाल समूह रायसेन जिले का आशापुरी भी मध्यप्रदेश के महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थलों में गिना जाता है। यहां प्राचीन मंदिरों के अवशेष बड़ी संख्या में मौजूद हैं। कई संरचनाएं अब खंडहर के रूप में दिखाई देती हैं, जबकि अनेक स्थापत्य खंड आसपास के क्षेत्र में बिखरे मिले हैं। पुरातत्वविदों के अध्ययन से आशापुरी के मंदिरों का संबंध लगभग एक हजार वर्ष पुराने मंदिर स्थापत्य से जोड़ा जाता है। आशापुरी की खासियत यह है कि यहां मंदिर निर्माण की अलग-अलग अवस्थाओं और स्थापत्य परंपराओं के अवशेष देखने को मिलते हैं। यहां मौजूद पत्थर की नक्काशी, स्तंभ, आधारशिलाएं और मूर्तिकला उस समय की धार्मिक एवं सांस्कृतिक समृद्धि की कहानी कहते हैं। मिट्टी के नीचे छिपा था इतिहास देवबदल

शिव के मंदिर में विष्णु हैं मेहमान, 33 कोटि देवताओं से जुड़ा है इस जगह का रहस्य

भारत में कई ऐसे प्राचीन मंदिर हैं, जहां देवी-देवताओं से जुड़ी अनोखी मान्यताएं आज भी लोगों को आकर्षित करती हैं। ऐसा ही एक रहस्यमयी धार्मिक स्थल भगवान शिव को समर्पित है, लेकिन यहां भगवान विष्णु के भी विशेष रूप से विराजमान होने की मान्यता है। इसी वजह से इसे शिव-विष्णु की अनोखी संगम स्थली माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस स्थान का संबंध 33 कोटि देवताओं से भी बताया जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि यहां पूजा-अर्चना करने से अनेक देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त होता है। मंदिर की प्राचीन परंपराएं, स्थापत्य और इससे जुड़ी कथाएं इसे अन्य शिव मंदिरों से अलग पहचान देती हैं। मान्यता है कि भगवान विष्णु यहां विशेष अवसर पर अतिथि के रूप में पधारे थे, जिसके बाद उनके विराजमान होने की परंपरा जुड़ गई। यही वजह है कि मंदिर में शिव और विष्णु दोनों की आराधना का विशेष महत्व माना जाता है। हालांकि, 33 कोटि देवताओं से जुड़ी मान्यताएं धार्मिक परंपराओं और स्थानीय आस्था का हिस्सा हैं।

करौली का 'बड़ा मंदिर' क्यों है खास? 500 साल पुराना धाम, 16 खंभों पर टिकी पूरी इमारत

राजस्थान के करौली जिले के भांकरी गांव में स्थित करीब 500 साल पुराना 'बड़ा मंदिर' अपनी अनोखी स्थापत्य शैली के लिए खास पहचान रखता है। स्थानीय जानकारी के अनुसार यह मंदिर महर्षि वेदव्यास को समर्पित है और करौली से करीब 30 किलोमीटर दूर है। मंदिर की सबसे बड़ी खासियत इसकी निर्माण शैली है। लाल बलुआ पत्थरों से बनी पूरी संरचना 16 मजबूत खंभों पर टिकी है। खास बात यह है कि पत्थरों को जोड़ने में सीमेंट या चूने के गारे का इस्तेमाल नहीं किया गया। गर्भगृह में महर्षि वेदव्यास की अष्टधातु प्रतिमा के साथ संकटमोचन हनुमान की प्रतिमा भी विराजमान बताई जाती है। करीब पांच शताब्दियों पुरानी यह धरोहर आज भी प्राचीन भारतीय शिल्प और आस्था की कहानी कहती है।

जहां हर दिन पहुंचते हैं शिवभक्त, गोंडा के सिद्धनाथ महादेव मंदिर की आस्था से जुड़ी है ये कहानी

उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में स्थित सिद्धनाथ महादेव मंदिर शिवभक्तों की आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। मंदिर को लेकर स्थानीय स्तर पर कई धार्मिक मान्यताएं और प्राचीन कथाएं प्रचलित हैं। मान्यता है कि यहां भगवान शिव की आराधना करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। सावन और महाशिवरात्रि जैसे पर्वों पर मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ और बढ़ जाती है। भक्त शिवलिंग पर जल, दूध और बेलपत्र अर्पित कर भगवान भोलेनाथ से सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। मंदिर से जुड़ी लोककथाएं पीढ़ियों से लोगों की आस्था का हिस्सा बनी हुई हैं।

एक ही रात में 5 मंदिरों का निर्माण, आखिर क्यों विश्वकर्मा के मंदिर निर्माण को रोकने के लिए विष्णुजी बने मुर्गा? जानिए अनोखी कहानी

झारखंड के देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम से जुड़ी एक बेहद रोचक पौराणिक कथा आज भी लोगों के बीच चर्चा का विषय है। मान्यता है कि देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा ने यहां एक ही रात में पांच मंदिरों के निर्माण का संकल्प लिया था। कथा के अनुसार, उन्होंने रातभर अद्भुत गति से निर्माण कार्य करते हुए मंदिरों को आकार देना शुरू किया। पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक, सबसे पहले भगवान शिव का मंदिर बनाया गया। इसके बाद माता पार्वती, भगवान गणेश और संध्या मंदिर का निर्माण किया गया। चार मंदिरों का निर्माण पूरा करने के बाद विश्वकर्मा जी ने अपने लिए भी एक विशाल मंदिर बनाना शुरू कर दिया। कहा जाता है कि उनका बनाया यह मंदिर आकार और भव्यता में इतना बड़ा होने लगा कि देवताओं को चिंता हुई कि कहीं यह भगवान शिव के मंदिर से भी अधिक विशाल न हो जाए। हालांकि, इस पूरी घटना के अलग-अलग लोकप्रचलित संस्करण भी मिलते हैं। कथा के अनुसार, विश्वकर्मा जी ने मंदिर निर्माण एक ही रात में पूरा करने का संकल्प लिया था। इसी समय भगवान विष्णु ने उनकी निर्माण गति को रोकने के लिए एक अनोखी लीला रची। विष्णु जी ने मुर्गे का रूप धारण किया और रात खत्म होने से पहले ही बांग दे दी। मुर्गे की बांग सुनकर विश्वकर्मा जी को लगा कि सुबह हो चुकी है और उनकी निर्धारित एक रात की समय-सीमा समाप्त हो गई है। उन्होंने निर्माण कार्य रोक दिया। इस कारण उनका बनाया पांचवां मंदिर अधूरा रह गया। लोकमान्यता में इस अधूरे मंदिर को लक्ष्मी नारायण मंदिर से जोड़ा जाता है। इस कथा का एक अन्य प्रचलित रूप भी मिलता है, जिसमें देवताओं द्वारा विश्वकर्मा को समय समाप्त होने का संकेत देने के लिए मुर्गे की बांग का सहारा लेने की बात कही गई है। विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर सामने आने वाली यह कथा केवल मंदिर निर्माण की कहानी नहीं, बल्कि देवशिल्पी विश्वकर्मा की अद्भुत निर्माण-कला और पौराणिक मान्यताओं से जुड़ी एक अनोखी गाथा के रूप में सुनाई जाती है। देवघर का बाबा बैद्यनाथ धाम आज भी श्रद्धालुओं के लिए प्रमुख धार्मिक केंद्र है और इससे जुड़ी ऐसी लोककथाएं इसकी धार्मिक महत्ता को और रोचक बनाती हैं।

हनुमान अंश' की सफलता के बीच चर्चा में नीम करौली बाबा: कैंची धाम से गहरा नाता, फिर वृंदावन में ही क्यों ली महासमाधि?

बाबा की मुख्य समाधि वृंदावन में

कैंची धाम बाबा की तपोस्थली और आश्रम है जबकि उनकी मुख्य समाधि वृंदावन में है. बाबा का जीवन भगवान हनुमान की भक्ति से गहराई से जुड़ा माना जाता है. वृंदावन भी भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में बेहद महत्वपूर्ण स्थान रखता है. भगवान कृष्ण की नगरी के रूप में प्रसिद्ध वृंदावन सदियों से संतों और साधकों की भूमि रहा है. 1973 में बाबा की तबीयत खराब रहने लगी थी. सितंबर की शुरुआत में वे आगरा की ओर गए थे. इसी दौरान उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई. बताया जाता है कि उन्हें ट्रेन से वृंदावन लाया गया. उन्हें इलाज के लिए रामकृष्ण मिशन अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके. 11 सितंबर 1973 को नीम करौली बाबा ने वृंदावन में अपनी देह त्याग दी. उनके भक्त इसे सामान्य मृत्यु नहीं, बल्कि 'महासमाधि' के रूप में याद करते हैं. बाबा की अंतिम यात्रा भी उसी वृंदावन में पूरी हुई, जिससे उनका आध्यात्मिक रिश्ता लंबे समय से जुड़ा था.नीम करौली बाबा की शिक्षाओं में प्रेम और सेवा को विशेष महत्व दिया जाता है. यही वजह है कि उनके अनुयायी आज भी उनके संदेशों को अपने जीवन में अपनाने की कोशिश करते हैं. बाबा के आश्रमों में आने वाले लोगों के लिए आध्यात्मिकता के साथ-साथ सेवा की भावना भी महत्वपूर्ण रही है. समय के साथ कैंची धाम की प्रसिद्धि भारत से बाहर तक पहुंची. खासकर अमेरिका और दूसरे देशों में रहने वाले कई लोग बाबा की शिक्षाओं से प्रभावित हुए. एप्पल के सह-संस्थापक स्टीव जॉब्स से लेकर फेसबुक के सह-संस्थापक मार्क जुकरबर्ग तक का नाम बाबा से जुड़ी चर्चाओं में सामने आता रहा है

बच्चों को काबिल और सफल बनाने के लिए अपनाएं आचार्य चाणक्य के ये 4 मूलमंत्र, परवरिश में आएंगे बेहद काम

भोपाल। बच्चे का भविष्य केवल किताबी ज्ञान से नहीं बनता, बल्कि संस्कार, अनुशासन, संगति और आत्मनिर्भरता उसके व्यक्तित्व की असली नींव तैयार करते हैं। आचार्य चाणक्य की नीतियों में शिक्षा और चरित्र निर्माण को खास महत्व दिया गया है। बच्चों की परवरिश से जुड़े उनके विचार आज भी अभिभावकों के लिए उपयोगी माने जाते हैं। ज्ञान को बनाएं पहली प्राथमिकता बच्चों को सिर्फ अच्छे अंक हासिल करने की दौड़ में लगाने के बजाय उन्हें सीखने और समझने के लिए प्रेरित करें। सवाल पूछने, किताबें पढ़ने और नई चीजों को जानने की आदत बच्चे की सोच को व्यापक बनाती है। किताबी पढ़ाई के साथ व्यवहारिक ज्ञान भी जरूरी है। अनुशासन से मजबूत होगी नींव समय की कद्र और जिम्मेदारी की आदत बचपन से डालना जरूरी है। नियमित दिनचर्या, पढ़ाई के साथ खेल और अपने छोटे-छोटे काम खुद करने की आदत बच्चे में आत्मविश्वास और जिम्मेदारी बढ़ाती है। अभिभावकों का आचरण भी बच्चों के लिए सबसे बड़ा उदाहरण होता है। संगति पर रखें पैनी नजर बच्चों के व्यक्तित्व पर उनके दोस्तों और आसपास के माहौल का गहरा असर पड़ता है। इसलिए अच्छी संगति के साथ उन्हें ईमानदारी, सम्मान, संवेदनशीलता और सही-गलत में अंतर समझाने की जरूरत है। मजबूत संस्कार मुश्किल समय में सही फैसला लेने की ताकत देते हैं। हर कदम पर सहारा नहीं, आत्मनिर्भरता सिखाएं बच्चे की हर समस्या का समाधान माता-पिता खुद कर देंगे तो उसमें परिस्थितियों से जूझने की क्षमता कमजोर पड़ सकती है। उम्र के अनुसार उसे छोटे फैसले लेने, जिम्मेदारी उठाने और अपनी गलतियों से सीखने का मौका दें। यही आदत आगे चलकर आत्मनिर्भर व्यक्तित्व तैयार करती है। सफल परवरिश का मूलमंत्र बच्चों को न तो जरूरत से ज्यादा सख्ती में रखें और न हर गलती पर बचाव करें। प्यार के साथ अनुशासन, शिक्षा के साथ व्यवहारिक समझ और मार्गदर्शन के साथ स्वतंत्र सोच का अवसर देना जरूरी है। चाणक्य नीति से जुड़े ये चार सिद्धांत बच्चों के व्यक्तित्व को मजबूत बनाने की दिशा में अभिभावकों के लिए उपयोगी मार्गदर्शन दे सकते हैं।

नवाबगंज-क्योलड़िया मार्ग पर लघु सेतु बनाने की मांग:विधायक डॉ. एम.पी. आर्य ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजा, अप्सरा नदी पर बनेगा पुल

जेब खाली मिली तो चोरों ने मांगी माफी

बुजुर्ग को दबोचा, तलाशी ली; कुछ नहीं मिला तो बोले- 'दादा माफ कर दो, हम खुद मुसीबत में हैं'

भोपाल। राजधानी के खजूरी इलाके में चोरी की कोशिश का अनोखा मामला सामने आया है। दुकान के बाहर सो रहे बुजुर्ग की जेब खंगालने पहुंचे बदमाशों को जब कुछ भी नहीं मिला तो उन्होंने चोरी का इरादा छोड़ दिया। इतना ही नहीं, बुजुर्ग से माफी मांगी और मौके से फरार हो गए। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका फुटेज सामने आने के बाद मामला चर्चा में है। रात में दो बदमाश दुकान के बाहर सो रहे बुजुर्ग के पास पहुंचे। उन्होंने बुजुर्ग को दबोचा और जेबों की तलाशी लेने लगे। काफी देर तक तलाशने के बावजूद उनके हाथ नकदी या कीमती सामान नहीं लगा। बदमाशों ने बुजुर्ग की बाइक की चाबी भी निकाल ली थी। जब चोरी के लिए कुछ नहीं मिला तो बदमाशों ने चाबी वापस कर दी। इसके बाद उन्होंने बुजुर्ग से कथित तौर पर कहा, "दादा माफ कर दो, हम खुद मुसीबत में हैं।" इतना कहकर दोनों वहां से भाग निकले। रिपोर्ट के मुताबिक बुजुर्ग मूल रूप से सीहोर जिले के रहने वाले हैं। पारिवारिक विवाद के बाद वह भोपाल आए थे और रात में दुकान के बाहर सो रहे थे। घटना के बाद सामने आए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस अज्ञात आरोपियों की तलाश में जुटी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि पीड़ित की ओर से फिलहाल औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई थी। जेब खाली थी, इसलिए चोरी नहीं हुई—लेकिन इस अजीब घटना ने खजूरी इलाके में सुरक्षा और रात में खुले स्थानों पर सोने वालों की सुरक्षा को लेकर सवाल जरूर खड़े कर दिए हैं।

मुश्किलों के बाद मिली नई राह

मोहन एक छोटे से गांव का मेहनती किसान था। उसके पास थोड़ी-सी जमीन थी और परिवार की सारी जिम्मेदारी उसी पर थी। पत्नी, दो बच्चे और बूढ़ी मां—सभी की जरूरतें उसकी खेती से पूरी होती थीं। लेकिन पिछले दो वर्षों से उसकी फसल लगातार खराब हो रही थी। कभी बारिश समय पर नहीं होती, तो कभी अचानक हुई तेज बारिश पूरी फसल बर्बाद कर देती। ऊपर से कर्ज बढ़ता जा रहा था। एक दिन मोहन खेत में खड़ी सूखी फसल को देखकर टूट गया। घर लौटते समय उसके चेहरे पर चिंता साफ दिखाई दे रही थी। घर पहुंचा तो बेटी ने दौड़कर कहा, "बाबा, स्कूल की फीस कल जमा करनी है। आप दे देंगे ना?" मोहन ने बेटी को देखा, लेकिन जवाब नहीं दे पाया। उसकी आंखों में आंसू आ गए। वह सोचने लगा कि अगर फसल ही नहीं हुई तो बच्चों की पढ़ाई कैसे चलेगी, घर का खर्च कैसे निकलेगा और कर्ज कैसे चुकाएगा? उस रात मोहन ने पहली बार खेती छोड़ने का विचार किया। अगली सुबह गांव के बुजुर्ग रामदीन बाबा उसके पास पहुंचे। उन्होंने कहा, "बेटा, तुम्हारी समस्या मेहनत की कमी नहीं है। तुम सालों से मेहनत कर रहे हो। समस्या यह है कि तुम खेती पुराने तरीके से कर रहे हो।" मोहन ने उनकी बात ध्यान से सुनी। बाबा ने उसे सलाह दी कि वह मिट्टी की जांच करवाए, मौसम के अनुसार फसल चुने और पूरी जमीन पर एक ही फसल लगाने के बजाय अलग-अलग फसलें लगाए। कुछ जमीन में सब्जियां, कुछ में अनाज और थोड़ी जमीन में मसाले वाली फसल लगाने की सलाह दी। मोहन ने जोखिम उठाया और इस बार योजना बनाकर खेती शुरू की। शुरुआत में उसे डर लगा, लेकिन कुछ महीनों बाद खेत में हरियाली दिखाई देने लगी। सब्जियों और मसालों की अच्छी पैदावार हुई। मोहन ने फसल बेचकर सबसे पहले बेटी की स्कूल फीस जमा की, फिर धीरे-धीरे अपना कर्ज चुकाना शुरू किया।बेटी ने जब स्कूल की रसीद पिता के हाथ में रखी और कहा, "बाबा, अब मैं खूब पढ़ूंगी," तो मोहन की आंखों में खुशी के आंसू आ गए। उस दिन मोहन समझ गया कि समस्या से भागने से समाधान नहीं मिलता। समस्या को समझकर तरीका बदलना ही असली समाधान है। कहानी की सीख संघर्ष हमें कमजोर करने नहीं, बल्कि नया रास्ता खोजने के लिए मजबूर करता है। मेहनत के साथ सही जानकारी, योजना और धैर्य हो तो कठिन परिस्थितियों को भी बदला जा सकता है।

शरीर सबसे बड़ी दौलत

रमेश एक मेहनती आदमी था। वह सुबह जल्दी उठकर काम पर जाता और देर रात घर लौटता था। काम की व्यस्तता में वह अक्सर नाश्ता छोड़ देता, दोपहर में जल्दी-जल्दी खाना खाता और चाय-बिस्कुट पर अपना दिन निकाल देता। रात को देर से खाना और मोबाइल देखते-देखते सो जाना उसकी आदत बन चुकी थी। कुछ महीनों बाद रमेश को हर समय थकान रहने लगी। सीढ़ियां चढ़ते समय सांस फूलने लगी और काम में भी मन नहीं लगता था। एक दिन उसकी छोटी बेटी ने पूछा, "पापा, आप हमेशा थके-थके क्यों रहते हैं? आप मेरे साथ खेलते भी नहीं।" बेटी की बात रमेश के दिल में लग गई। उसने सोचा, "मैं अपने परिवार के लिए मेहनत कर रहा हूं, लेकिन अगर मेरा शरीर ही स्वस्थ नहीं रहेगा तो इस मेहनत का क्या फायदा?" अगले दिन से रमेश ने अपनी दिनचर्या बदलने का फैसला किया। वह सुबह थोड़ा जल्दी उठने लगा। रोज आधा घंटा पैदल चलने लगा। नाश्ता छोड़ना बंद किया और खाने में दाल, सब्जियां, फल और घर का बना भोजन शामिल किया। उसने तला-भुना और बहुत ज्यादा मीठा खाना भी कम कर दिया। रमेश ने रात को मोबाइल चलाने का समय कम किया और समय पर सोने लगा। दिनभर पर्याप्त पानी पीने लगा। शुरुआत में उसे मुश्किल हुई। कई बार मन हुआ कि पुरानी आदतों पर वापस लौट जाए, लेकिन जब उसकी बेटी ने एक दिन मुस्कुराकर कहा, "पापा, अब आप मेरे साथ रोज खेलते हो," तो उसे अपनी मेहनत का असली फायदा समझ आया। कुछ समय बाद रमेश खुद को पहले से ज्यादा चुस्त और खुश महसूस करने लगा। उसने परिवार से कहा, "हम पैसा कमाने के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं, लेकिन सबसे बड़ी दौलत हमारा स्वस्थ शरीर है। इसे खो दिया तो बाकी सब अधूरा है।"सीख स्वस्थ रहने के लिए बड़े बदलाव जरूरी नहीं होते। समय पर खाना, पौष्टिक भोजन, रोज थोड़ी कसरत, पर्याप्त पानी, अच्छी नींद और तनाव कम रखना—छोटी-छोटी अच्छी आदतें मिलकर शरीर को मजबूत बनाती हैं।

सिरदर्द का छोटा-सा सबक

सीमा रोज सुबह जल्दी उठकर घर का काम करती, बच्चों को तैयार करती और फिर अपने काम पर चली जाती थी। दिनभर काम करने के बाद शाम को घर लौटकर भी वह आराम नहीं करती। खाना बनाते-बनाते मोबाइल देखना और देर रात तक जागना उसकी आदत बन चुकी थी।कुछ दिनों से उसके सिर में लगातार दर्द रहने लगा। कभी माथे में भारीपन महसूस होता तो कभी कनपटियों में दर्द होने लगता।एक दिन उसकी बेटी ने मां को सिर पकड़कर बैठे देखा और पूछा, "मम्मी, आपको क्या हुआ?"सीमा बोली, "बस बेटा, सिर में बहुत दर्द है।"बेटी ने कहा, "आप पूरे दिन सबका ध्यान रखती हो, लेकिन अपना ध्यान कब रखोगी?"बेटी की बात सीमा के दिल को छू गई। उसने उस दिन काम थोड़ा जल्दी खत्म किया।एक शांत कमरे में जाकर आराम किया, पानी पिया और कुछ देर मोबाइल से दूरी बनाई। गर्दन और कंधों को हल्के हाथ से आराम दिया और समय पर खाना खाया। रात को भी उसने देर तक जागने के बजाय पूरी नींद लेने का फैसला किया। अगली सुबह उसे पहले से काफी आराम महसूस हुआ।सीमा समझ गई कि शरीर बार-बार संकेत देता है। थकान, नींद की कमी, पानी कम पीना और लगातार तनाव जैसी चीजों को नजरअंदाज करने से परेशानी बढ़ सकती है।उस दिन से उसने एक नियम बना लिया—दूसरों की देखभाल करने के साथ अपने शरीर की देखभाल भी जरूरी है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय से पढ़ी शांभवी श्रीवास्तव ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने पहले ही प्रयास में इंडियन आर्मी की JAG परीक्षा क्रैक कर ली है। उन्हें इस चुनौतीपूर्ण परीक्षा में ऑल इंडिया 8वीं रैंक रही है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय से पढ़ी शांभवी श्रीवास्तव ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने पहले ही प्रयास में इंडियन आर्मी की जैग (जज एडवोकेट जनरल - JAG) परीक्षा क्रैक कर ली है। उन्हें इस चुनौतीपूर्ण परीक्षा में ऑल इंडिया 8वीं रैंक रही है। शांभवी प्रयागराज 15 यूपी बटालियन एनसीसी की पूर्व कैडेट रही हैं। एनसीसी की पूर्व कैडेट और इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बीए एलएलबी ऑनर्स की पढ़ाई पूरी करने वाली शांभवी ने एसएससी जैग एग्जामिनेशन 2026 में शानदार सफलता हासिल की है।

कैंसर से लेकर किडनी फेलियर तक... गंभीर बीमारी से पहले शरीर दे सकता है ये 10 संकेत लक्षण दिखने का मतलब कैंसर या किडनी फेलियर होना नहीं; लगातार परेशानी हो तो डॉक्टर से जांच जरूरी

नई दिल्ली। शरीर में होने वाले कुछ बदलाव गंभीर बीमारी की ओर इशारा कर सकते हैं, लेकिन केवल लक्षणों के आधार पर किसी बीमारी का निष्कर्ष निकालना सही नहीं है। वजन कम होना, थकान या पेशाब में बदलाव जैसे संकेत कई सामान्य कारणों से भी हो सकते हैं। इसलिए घबराने के बजाय इनके लगातार बने रहने या बढ़ने पर चिकित्सकीय जांच कराना जरूरी है। विशेषज्ञों के मुताबिक बिना वजह वजन कम होना, लगातार थकान, लंबे समय तक दर्द, भूख कम होना, बार-बार बुखार, शरीर में नई गांठ या सूजन, त्वचा में असामान्य बदलाव, पेशाब की मात्रा या आदत में लगातार बदलाव, सांस फूलना और घाव का देर से भरना ऐसे संकेत हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। किडनी से जुड़ी समस्या में पेशाब में बदलाव, पैरों या चेहरे पर सूजन और अत्यधिक थकान दिखाई दे सकती है। वहीं लंबे समय तक खांसी, असामान्य रक्तस्राव या शरीर में नई गांठ जैसे लक्षणों की जांच जरूरी हो सकती है। जरूरी स्वास्थ्य चेतावनी: इनमें से कोई एक लक्षण दिखने का अर्थ यह नहीं है कि व्यक्ति को कैंसर, किडनी फेलियर या कोई अन्य गंभीर बीमारी है। खुद से बीमारी या दवा तय न करें। लक्षण लगातार बने रहें, तेजी से बढ़ें या बार-बार लौटें तो डॉक्टर से संपर्क करें। अचानक सांस लेने में गंभीर परेशानी, बेहोशी, अत्यधिक रक्तस्राव या बहुत तेज बिगड़ती हालत में तुरंत आपात चिकित्सा सहायता लें।

1.**पत्नी**: सुनो जी, मैं कैसी लग रही हूं?
पति: बिल्कुल नई जैसी!
पत्नी: मतलब?
पति: मतलब... देखकर पहचानने में थोड़ा समय लग रहा है! 😂
2. टीचर: बताओ, दुनिया में सबसे ज्यादा नींद कब आती है?
बच्चा: जब मोबाइल की बैटरी 1% हो और चार्जर दूर रखा हो! 😂
3. डॉक्टर: आपको आराम की जरूरत है, रोज 8 घंटे सोया करें।
मरीज: डॉक्टर साहब, 8 घंटे रात में सोऊं या ऑफिस में? 😊
4. पत्नी: आज मैं मायके जा रही हूं।
पति: ठीक है।
पत्नी: आपको खुशी हो रही है?
पति: नहीं... मैं तो बस अपनी भावनाएं छिपाने की कोशिश कर रहा हूं! 😂
5. दोस्त: भाई, तू इतना खुश क्यों है?
दूसरा: पत्नी ने कहा है कि आज मैं जो चाहूं कर सकता हूं।
दोस्त: फिर?
दूसरा: मैं सोच रहा हूं पहले पूछ लूं कि वह मजाक तो नहीं कर रही! 🤣